हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

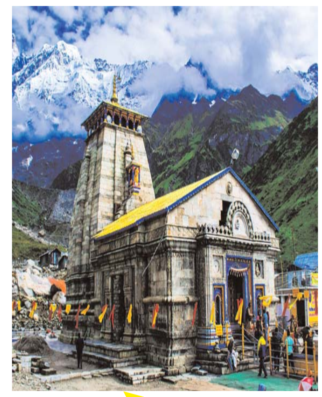

वर्ष:5 अंक:147 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, बुधवार, 03 जून 2026

चारधाम यात्रा प्रबंधन का मूल मंत्र 'सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन और सतत संवाद' : मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा प्रबंधन का मूल मंत्र 'सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन और सतत संवाद' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय, प्रभावी संवाद और सुव्यवस्थित प्रबंधन से यात्रा को और अधिक सुरक्षित एवं सफल बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मानसून अवधि को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रात्रि 10 बजे से सुबह 4 बजे तक चारधाम यात्रा मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने चारों धामों में श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप दर्शन व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन वैज्ञानिक और चरणबद्ध तरीके से किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न उत्पन्न हो। उन्होंने निर्देशित किया कि धामों और पड़ाव स्थलों पर निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ होने की स्थिति में होल्डिंग एरिया और चेक प्वाइंट्स पर यात्रियों को नियंत्रित किया जाए। जहां श्रद्धालुओं को रोका जा रहा है, वहां पार्किंग, भोजन, पेयजल, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को केवल रोका न जाए, बल्कि उन्हें प्रतीक्षा अवधि, कारण और आगे की व्यवस्थाओं की स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों के प्रति संवेदनशील, विनम्र और सहयोगात्मक व्यवहार बनाए रखने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को सूचना के अभाव का सामना न करना पड़े। इसके लिए सार्वजनिक सूचना प्रणाली, एलईडी डिस्प्ले, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप चैनल और एफएम रेडियो के माध्यम से लगातार अपडेट साझा किए जाएं। मौसम परिवर्तन, मार्ग अवरोध, यातायात जाम और दर्शन में देरी जैसी सूचनाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा का पहला चरण सफलतापूर्वक संचालित हुआ है, लेकिन अब यात्रा अधिक चुनौतीपूर्ण चरण में प्रवेश कर रही है, जहां मानसून एक बड़ी चुनौती होगा। उन्होंने अधिकारियों को फीडबैक और शिकायतों की नियमित समीक्षा कर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में जेसीबी, पोकलैंड मशीनें, सैटेलाइट फोन, एम्बुलेंस और राहत-बचाव उपकरणों की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही अधिकारियों को फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करने और श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप और आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप को नियमित समीक्षा करने तथा जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निरंतर निगरानी और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यात्रा मार्गों पर होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में रेट लिस्ट का अनिवार्य प्रदर्शन और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच भी सुनिश्चित करने को कहा।

स्वच्छता पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने पैदल मार्गों पर पर्याप्त शौचालयों की व्यवस्था और नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गंभीर मरीजों के लिए हेली एम्बुलेंस सेवा हेतु राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, भरत चौधरी, विधायक अनिल नौटियाल, सुरेश चौहान, आशा नौटियाल, राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय कुमार रोहिला, उत्तराखण्ड अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, पंकज कुमार पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, रणवीर सिंह चौहान, विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी सहित संबंधित जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

एक नजर

सीबीएसई के अध्यक्ष एवं सचिव को हटाया गया, ओएसएम सेवा खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए समिति गठित

नयी दिल्ली। 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' (ओएसएम) पर उठ रहे सवालों के बीच सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अध्यक्ष और सचिव का तबादला कर दिया है तथा ओएसएम सेवाओं की खरीद से संबंधित प्रक्रिया की जांच के लिए एक समिति का गठित की है। सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता को मंगलवार को उनके पदों से हटा दिया। इसके अतिरिक्त सरकार ने सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली के लिए सेवाओं की खरीद से जुड़े मामलों की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। कैबिनेट सचिवालय की ओर से मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार समिति की अध्यक्षता क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान करेंगी। समिति को आवश्यकता पड़ने पर अन्य कार्यालयों के अधिकारियों की सहायता लेने का अधिकार भी दिया गया है। समिति को सचिवालय सहायता क्षमता निर्माण आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। यह ओएसएम प्रणाली के लिए सेवाओं की खरीद प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगी। समिति अपनी रिपोर्ट एक माह के भीतर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को सौंपेगी। गौरतलब है कि सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के परिणाम आने के बाद यह पूरा विवाद खड़ा हुआ है। छात्रों ने पहले कम अंक आने की शिकायत की थी, जिसके बाद उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपियां उपलब्ध करायी गयी। उत्तर पुस्तिकाओं के मिलने के बाद छात्रों की शिकायतें आने लगीं कि दी गयी कॉपियां उनकी नहीं है, उत्तर पुस्तिका के पन्ने गायब हैं और धुंधले हैं।

पंचायती राज अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन का विरोध, मंत्री भरत सिंह चौधरी को सौंपा ज्ञापन

पथ प्रवाह, देहरादून

प्रांतीय विकास सेवा संगठन उत्तराखण्ड एवं ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आज ग्राम्य विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भरत सिंह चौधरी से मुलाकात कर उत्तराखण्ड पंचायती राज अधिनियम-2016 में प्रस्तावित संशोधन पर अपना पक्ष रखा।

प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र पंचायत सचिव के रूप में खण्ड विकास अधिकारी (बीडीओ) की वर्तमान व्यवस्था को यथावत बनाए रखने की मांग की। संगठन का कहना था कि बीडीओ के स्थान पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को सचिव बनाए जाने से क्षेत्र पंचायतों की कार्यकुशलता एवं विभागीय समन्वय प्रभावित हो सकता है। पदाधिकारियों ने कहा कि विकास खण्डों के माध्यम से पिछले 75 वर्षों से ग्रामीण विकास एवं आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है, इसलिए वर्तमान व्यवस्था में किसी प्रकार का परिवर्तन उचित नहीं होगा। इस अवसर पर प्रांतीय विकास सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भरत चन्द्र भट्ट, महामंत्री मो. असलम सहित विभिन्न जनपदों के विकास अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल के नेता लामिछाने ने शाह से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई बात

नयी दिल्ली। भारत और नेपाल ने दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के लिए मिलकर काम करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। भारत यात्रा पर आए नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी आर एस पी के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मंगलवार को यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की ।

उनके साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी था। बातचीत के बाद गृह मंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'आज नयी दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने के नेतृत्व वाले नेपाली प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने चुनावों में आर एस पी की जीत पर श्री लामिछाने को बधाई दी और नई सरकार की सफलता के लिए भारत की ओर से शुभकामनाएं व्यक्त कीं। दोनों पक्षों ने भारत और नेपाल के बीच विशेष संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के लिए मिलकर काम करने का अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।'

एक नजर

भिकियासैण की रितु का वित्त अधिकारी पद पर हुआ चयन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। भिकियासैण वार्ड दो निवासी दरवानसिंह की पुत्री रितु बिष्ट ने अपर पीसीसी परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रितु का चयन वित्त विभाग में वित्त अधिकारी के पद पर हुआ है। रितु ने इण्टर तक की पढाई सनराइज़ सनराइज कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिकियासैण से की तथा उच्च शिक्षा एसएसजे कैंपस अल्मोड़ा से ग्रहण की। कठिन परिश्रम कर रितु की इस सफलता पर लोगों ने बधाइयाँ व शुभकामनाएं दी हैं। रितु के पिता दरवान सिंह पूर्व बीजेपी मंडल अध्यक्ष व व्यवसायी तथा माता मीना बिष्ट गृहणी तथा पूर्व ग्राम प्रधान हैं।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया नवनियुक्त पीएमएस का स्वागत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरमिलाप मिशन जिला चिकित्सालय के रक्तकेंद्र के प्रभारी डॉ. रविन्द्र चौहान के नेतृत्व में रक्तकेंद्र एवं पैथोलॉजी लैब के कर्मचारियों ने जिला चिकित्सालय के नवनियुक्त प्रमुख अधीक्षक डा. श्याम किशोर सोनी को बुके देकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। नवनियुक्त प्रमुख अधीक्षक डा. श्याम किशोर सोनी ने कहा कि रक्तकेंद्र में जो भी समस्याएं और चुनौती होंगी उनका हम सब मिलकर सामना करेंगे। सम्मान करने वालों में डा. रविन्द्र चौहान, अमित कुमार, दिनेश लखेडा, विनोद तिवारी, प्रदीप मौर्य, वर्णिक चौधरी, नवीन बिंजोला आदि शामिल रहे।

भगवान श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप है श्रीमद्भागवत कथा: पवन कृष्ण शास्त्री

पथ प्रवाह, हरिद्वार। श्री राधा रसिक बिहारी भागवत परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर श्री राधा रसिक बिहारी मंदिर रामनगर कालोनी ज्वालापुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथाव्यास भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालु भक्तों को शुकदेव आगमन, राजा परीक्षित संवाद और धुंधुकारी मोक्ष प्रसंग का श्रवण कराया।

कथाव्यास पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कोई साधारण ग्रंथ नहीं, बल्कि साक्षात् भगवान श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप है। पुरुषोत्तम मास में इसका श्रवण और भी अधिक फलदायी हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य के पूर्व जन्मों के पुण्य उदय होते हैं, तब उसे भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है। इसके श्रवण मात्र से ही जीव के जनम-जनम के पाप और संताप मिट जाते हैं। धुंधुकारी मोक्ष का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि महापापी धुंधुकारी को प्रेत योनि से मुक्ति दिलाने के लिए उसके भाई गोकर्ण ने भागवत कथा का आयोजन किया। कथा के प्रभाव से सात गांठों वाला बांस फट गया और धुंधुकारी दिव्य रूप धारण कर बैकुंठ धाम को गया। इस अवसर पर शांति दर्गन, वीना धवन, रशमी गोस्वामी, शिमला उपाध्याय, किरन शर्मा, भारत भूषण शर्मा, विनोद ठाकुर, राहुल ठाकुर, लक्ष्मी शर्मा, महेंद्र शर्मा, वंदना गुप्ता, मीनू चौधरी, रिंकू शर्मा, रीना जोशी, वंदना अरोड़ा, मीनू शर्मा, रेखा आर्य, ममता शर्मा, सौरव शर्मा, पूनम राजू, पंडित आदित्य जगूड़ी, पंडित सचिन पैन्यूली ने भागवत पूजन किया।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026: हरिद्वार में बीएलओ, सुपरवाइजर व बीएलए को दिया गया व्यापक प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत जनपद हरिद्वार में निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में 35-हरिद्वार ग्रामीण तथा 27-ज्वालापुर (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), बूथ लेवल सुपरवाइजर एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बीएचईएल कन्वेंशन हॉल में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार हल्दियानी ने कहा कि निर्वाचन कार्य लोकतंत्र की नींव है और इसकी शुचिता बनाए रखना सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित सभी सुपरवाइजर, बीएलओ एवं बीएलए से अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, सजगता और दक्षता के साथ करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को त्रुटिरहित ढंग से संपादित किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन तथा मतदाता विवरण में त्रुटि सुधार से संबंधित समस्त पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं विश्वसनीय बनाने के लिए आवश्यक सावधानियों एवं प्रक्रियात्मक मानकों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य संदर्भदाता डॉ. संतोष कुमार चमोला ने निर्वाचन प्रक्रिया की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्यों का निष्पादन पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जवाबदेही के साथ किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्धारित प्रपत्रों के सही उपयोग, समयबद्ध कार्यवाही तथा विभिन्न स्तरों पर बेहतर समन्वय के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी बहादराबाद मानस मित्तल, सहायक नगर आयुक्त नगर निगम हरिद्वार श्याम सुंदर प्रसाद, नायब तहसीलदार हरिद्वार मदन लाल, जिला शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद, सहायक नोडल अधिकारी मीडिया गोविन्द कुर्ल, संतोष रावत, प्रकाश चंद देवराणी सहित जनपद के सभी संबंधित अधिकारी, बूथ लेवल ऑफिसर, सुपरवाइजर एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हरिद्वार में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन अस्पताल और क्लीनिक सील

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में अवैध रूप से संचालित चिकित्सालयों और स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को सख्त कार्रवाई करते हुए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुंवर के नेतृत्व में गठित टीम ने जिले के विभिन्न निजी अस्पतालों, क्लीनिकों और स्वास्थ्य केंद्रों का सघन निरीक्षण किया।

निरीक्षण अभियान के दौरान श्री राम क्लिनिक ज्वालापुर, सेठी नर्सिंग होम कनखल, आस्था मेडिकल एंड क्लिनिक कनखल, क्लासिक हॉस्पिटल धनपुरा, वेलफेयर हॉस्पिटल धनपुरा, गैलेक्सी हॉस्पिटल धनपुरा, एडवांस्ड हेयर ग्रो रानीपुर तथा सोनकली हेल्थ केयर सेंटर जगजीतपुर की जांच की गई।

जांच के दौरान कई संस्थानों में गंभीर अनियमितताएं और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने श्री राम क्लिनिक,

आस्था मेडिकल एंड क्लिनिक तथा गैलेक्सी हॉस्पिटल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। वहीं वेलफेयर हॉस्पिटल, क्लासिक हॉस्पिटल और सेठी नर्सिंग होम में भी विभिन्न कमियां पाए जाने के बाद इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुंवर ने बताया कि संबंधित संस्थानों में पाई गई अनियमितताओं के आधार पर 50 हजार रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक का आर्थिक दंड लगाया जाएगा। इसके अलावा नियमानुसार अन्य कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनपद में अवैध चिकित्सा गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इसी क्रम में बहादराबाद, भगवानपुर, रुड़की, लक्सर और मंगलौर सहित अन्य विकासखंडों में भी संबंधित ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों के माध्यम से सघन निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना आवश्यक मानकों और अनुमति के संचालित होने वाले चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे को लेकर कांग्रेसियों में उत्साह

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व सभासद तथा पूर्व महापौर अनीता शर्मा के पति अशोक शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी का दो दिवसीय प्रदेश दौरा संगठन को नई दिशा और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

अशोक शर्मा ने कहा कि अपने प्रवास के दौरान राहुल गांधी प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करेंगे और आगामी चुनावों के लिए जीत का मंत्र देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार जनहित के मुद्दों को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाने का कार्य कर रही है और राहुल गांधी का मार्गदर्शन संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगा।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार संसद में देश की आम जनता की आवाज उठाते रहे हैं, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता और स्वीकार्यता बढ़ी है। देश की जनता आज आशा भरी निगाहों से उनकी

ओर देख रही है। उनका प्रदेश दौरा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह भरने का कार्य करेगा।

संगठन में खेमेबाजी के सवाल पर अशोक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और सभी नेता जनता की समस्याओं को उठाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व महापौर अनीता शर्मा के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में अनेक जनहितकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया। विपक्ष की सरकार होने के बावजूद उन्होंने विभिन्न विकास प्रस्तावों को नगर निगम बोर्ड से पारित कर राज्य सरकार को भेजा। हालांकि कई प्रस्ताव लंबे समय तक लंबित रहे, फिर भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्णयों को धरातल पर उतारने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि जगजीतपुर में मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि उपलब्ध कराना, उत्तरी हरिद्वार में चिकित्सालय निर्माण तथा नगर निगम के नए भवन के निर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य उनके कार्यकाल में आगे बढ़ाए गए।

अशोक शर्मा ने विश्वास जताया कि राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे से प्रदेश कांग्रेस में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस बड़ी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा और उनके स्वागत के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता देवभूमि पहुंचेंगे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह प्रवास आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की प्रभावी शुरुआत साबित होगा तथा कार्यकर्ताओं को विजय का संकल्प और दिशा प्रदान करेगा।

एक नजर

नशा तस्कर गिरफ्तार, 70 हजार का गांजा बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली कलियर पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2.416 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसारचेकिंग अभियान के दौरान मुकर्रबपुर स्थित सरकारी स्कूल के पास से आरोपी मुन्तियाज को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2.416 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में कोतवाली कलियर में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है। अधिक धन कमाने के लालच में वह रुड़की से गांजा लाकर कलियर क्षेत्र में बाबा के वेश में रहने वाले लोगों तथा नशे के आदी व्यक्तियों को छोटी-छोटी मात्रा में बेचता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुन्तियाज पुत्र मोहम्मद ताहिर निवासी, धरमपुर सरोवगी, पोस्ट अंबोली, थाना देवबंद, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) वर्तमान पता सरकारी स्कूल के पास, मुकर्रबपुर, पिरान कलियर, जिला हरिद्वार आयु 35 वर्ष के रूप में हुई है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली भगवानपुर क्षेत्र में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म एवं यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 31 मई को कोतवाली भगवानपुर में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग पुत्री को मांगेराम नामक व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आरोपित की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। निर्देशों के अनुपालन में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित मांगेराम को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मांगेराम पुत्र रामशरण, निवासी ग्राम रायपुर, थाना भगवानपुर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए उसका चालान कर दिया है।

वरिष्ठ नागरिकों ने जताया पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम और महंगाई बढ़ने पर रोष

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, सीएनजी के बढ़ते दाम, महंगाई और बढ़ रही गरीबी पर रोष प्रकट करते हुए सरकार से जनता को विकल्प देने की मांग की है। ज्वालापुर इंटर कालेज प्रांगण में आयोजित संगठन की बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह ने कहा कि रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ रही है। जिसका असर सीधा आम आदमी के बजट पर पड़ रहा है। लोगों के लिए घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है। जरूरत की तमाम चीजें आम जनता की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। देश मे गरीबी बढ़ रही है। सरकार इसका कोई विकल्प जनता को दे ताकि कुछ राहत मिल सके। उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष विद्यासागर गुप्ता ने कहा केंद्र सरकार पहले जनता को विश्वास में लेकर देश में रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कोई नहीं होने के बारे मेंघोषणा करती थी। लेकिन वर्तमान में इसका उल्टा हो रहा है और सरकार लगातार दामों में बढ़ोतरी करती जा रही है। संगठन मंत्री एससीएस भास्कर ने कहा कि ऊर्जा तथा खाने के तेल का कम उपयोग करने के प्रधानमंत्री के सुझाव पर जनता पूरी तरह अमल कर रही है। महामंत्री बाबूलाल सुमन ने कहा कि जिस समय कच्चे तेल का भाव लगभग 40 डॉलर प्रति बैरल था। सरकार ने उस समय भी पैट्रोल डीजल के दाम कम कर जनता को कोई लाभ नहीं दिया।

संघ शिक्षा वर्ग में सेवा प्रदर्शनी का उद्घाटन, विद्यार्थियों को मिला सेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) विद्यार्थी 2026 के अंतर्गत मंगलवार को सरस्वती विद्या मन्दिर, सेक्टर-2, रानीपुर में सेवा प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन किया गया। यह वर्ग 28 मई से 13 जून तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उत्तराखण्ड के सभी 13 जनपदों से कक्षा 9 से 12 तक के 304 चयनित शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिक्षकों, अधिकारियों, व्यवस्थापकों एवं कार्यकर्ताओं सहित वर्ग में 450 से अधिक स्वयंसेवकों की सहभागिता है।

वर्ग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल तथा सेवा भावना के संस्कारों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षार्थियों में राष्ट्र जीवन के प्रति उत्तरदायित्व और समाज के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख नरेश कुमार विकल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सेवा कार्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का सशक्त माध्यम हैं तथा संघ का सेवा कार्य समाज में आत्मीयता, समरसता और आत्मविश्वास का वातावरण निर्मित करता है।

प्रदर्शनी में उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित सेवा प्रकल्पों, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वावलम्बन, सामाजिक समरसता और आपदा राहत से जुड़े कार्यों को आकर्षक एवं प्रेरणादायी ढंग से प्रदर्शित किया गया। साथ ही संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में चल रहे विविध कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों तथा सामाजिक जागरण के प्रयासों की भी जानकारी दी गई। प्रदर्शनी का उद्देश्य शिक्षार्थियों को सेवा कार्यों की व्यापकता, उनके सामाजिक महत्व तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका से परिचित कराना है। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान शिक्षार्थियों में विशेष उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली। उन्होंने सेवा कार्यों के विभिन्न आयामों को समझते हुए समाज जीवन में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर वर्ग पालक सुनील, वर्ग कार्यवाह रमेश, सर्वाधिकारी प्रवीण, विभाग प्रचारक हरिद्वार राकेश, मुख्य शिक्षक सत्येन्द्र, वर्ग बौद्धिक प्रमुख अब्बल सिंह तोपाल, विभाग सेवा प्रमुख बंसीजी, मनोज सैनी, सह व्यवस्था प्रमुख वीर प्रताप सहित वर्ग के सभी अधिकारी, शिक्षक और शिक्षार्थी उपस्थित रहे।

वर्ग अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये शिक्षार्थी अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा, संगठन और संस्कार के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे।

हरिद्वार के ग्राम जियापोता की बेटी रचना सिंह बनीं उपखंड शिक्षा अधिकारी

कठिन मेहनत और परिश्रम से पहले ही प्रयास में पीसीएस परीक्षा में शानदार सफलता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कनखल थाना क्षेत्र के ग्राम जियापोता की प्रतिभाशाली बेटी रचना सिंह ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर उपखंड शिक्षा अधिकारी पद पर चयनित होकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

रचना सिंह, उत्तराखंड पुलिस में कार्यरत संतोष कुमार की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद बी.एससी., एम.ए. और बी.एड. की उच्च शिक्षा प्राप्त की। उनकी सफलता का सबसे प्रेरणादायक पहलू यह है कि उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार तीनों चरणों को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर यह मुकाम हासिल किया।

पिछले छह से सात वर्षों से रचना सिंह शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वह बच्चों को कोचिंग देने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करती रही हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद कर उन्हें आगे बढ़ने का मार्ग भी दिखाया है। उनकी यह सामाजिक प्रतिबद्धता उन्हें एक संवेदनशील और समर्पित शिक्षा अधिकारी के रूप में स्थापित करती है। रचना सिंह का सफलता का सफर आसान नहीं रहा। आईएएस की तैयारी के लिए वह दिल्ली गई थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान परिस्थितियों के चलते उन्हें वापस अपने गांव लौटना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहीं। पारिवारिक चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने निरंतर मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर यह उपलब्धि हासिल की।

उनकी इस सफलता से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों ने रचना सिंह की उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

रचना सिंह की यह उपलब्धि यह स्पष्ट संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत ईमानदारी से की जाए और आत्मविश्वास बना रहे, तो किसी भी कठिन परिस्थिति में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी कहानी न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत है।

कमेटी के जाल में फंसी महिला की मौत, पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। मृतका के पिता ने पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, मानसिक उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि कमेटी (चिट फंड) के नाम पर महिला से लाखों रुपये और सोने के आभूषण हड़प लिए गए, जिसके बाद लगातार प्रताड़ना और धमकियों से परेशान होकर उसने आत्मघाती कदम उठा लिया।

पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के नगीना निवासी आलोक जैन ने नगर कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री पूजा गुप्ता का विवाह वर्ष 2011 में हरिद्वार के भूपतवाला निवासी शदर गुप्ता के साथ हुआ था। दंपति के दो बच्चे भी हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भूपतवाला निवासी अजय गोस्वामी और काजल ने पूजा गुप्ता को कमेटी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था।

आलोक जैन का आरोप है कि कमेटी संचालन के दौरान अजय गोस्वामी और काजल ने उनकी पुत्री के करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण अपने पास रख लिए। इसके अलावा ज्योति उपाध्याय, मीनाक्षी उपाध्याय समेत अन्य लोगों के साथ मिलकर कमेटी के नाम पर लगभग 30 लाख रुपये भी हड़प लिए गए। जब पूजा ने अपनी धनराशि और आभूषण वापस मांगने शुरू किए तो उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि 19 मई को पूजा गुप्ता को अजय गोस्वामी के घर बुलाया गया, जहां उसके साथ मारपीट की गई। इस घटना की शिकायत सप्तऋषि चौकी में भी की गई थी। आरोप है कि इसके बावजूद आरोपियों द्वारा उसे लगातार धमकाया और परेशान किया जाता रहा।

परिजनों के अनुसार, 21 मई को अत्यधिक मानसिक तनाव और प्रताड़ना से परेशान होकर पूजा ने अपनी पीड़ा मोबाइल फोन में रिकॉर्ड की और आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 22 मई को उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब आत्महत्या से पहले महिला द्वारा रिकॉर्ड किए गए कथित वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। वायरल ऑडियो में पूजा कुछ लोगों पर कमेटी के रुपये और आभूषण हड़पने के आरोप लगाती सुनाई दे रही है। वहीं वायरल वीडियो में भी उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न किए जाने के दावे किए गए हैं।

मृतका के पिता ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और ऑडियो की भी जांच की जा रही है तथा उनकी सत्यता का परीक्षण किया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच को प्राथमिकता पर रखा गया है।

संपादकीय

न्याय में देरी न्याय की हत्या के समतुल्य है मीलार्ड!

अगली पेशी अगले साल यह देश की अदालतों में होता रहा है लेकिन हाल ही मे सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी को रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए सभी हाईकोर्ट्स को सख्त निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत, सुनवाई के बाद सुरक्षित रखे गए सभी फैसले अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाने अनिवार्य हैं। वहीं, जमानत से जुड़े मामलों में 24 घंटे के भीतर आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा पहली बार नहीं है पूर्व में भी पूर्व सीजेआई सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र और सत्तारूढ़ नेता समय समय पर देश की न्याय व्यवस्था में देरी की समस्या का समाधान खोजने का वायदा दावा और बयान करते रहे हैं लेकिन हर बार ढाक के वहीं तीन पात। न्याय मे देरी का सिलसिला नया नहीं है, लेकिन जब अदालतें बहस पूरी होने के बाद भी वर्षों तक फैसले सुरक्षित रखती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं रह जाती, बल्कि न्याय के मूल सिद्धांत पर सवाल खड़ा करती है। यह वह कड़वी सच्चाई है कि अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं और न्याय की उम्मीद लिए लोग तारीख पर तारीख काटते रहते हैं। कई मामलों में फैसला तब आता है, जब पीड़ित की उम्र, आर्थिक शक्ति और मानसिक ऊर्जा लगभग खत्म चुकी होती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि देर से मिला न्याय क्या सचमुच न्याय कहलाया जा सकता है? इस मामले में सुप्रीम कोर्ट कई बार निचली अदालतों को सचेत कर चुका है। एक बार फिर से हाईकोटों में फैसलों में हो रही देरी पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर चिंता जताते हुए स्पष्ट कहा है कि किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। यदि तीन महीने तक फैसला नहीं आता है, तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को वह मामला चीफ जस्टिस के सामने रखना होगा। यह निर्देश केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट इसी गंभीर स्थिति पर सख्त रुख अपनाते हुए जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अदालत ने साफ कहा है कि फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि समय पर दिखना भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि कोई भी फैसला रिजर्व होने के तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया को अनुशासित करने वाला कदम है। यदि तीन महीने के भीतर फैसला नहीं सुनाया जाता, तो संबंधित हाईकोर्ट का रजिस्ट्रार जनरल मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखेगा। मुख्य न्यायाधीश अधिकतम दो सप्ताह का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। इसके बाद भी फैसला न आए तो मामला दूसरी बेंच को स्थानांतरित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है, है, क्योंकि किसी भी मुकदमे में फैसला सुरक्षित होने का अर्थ यह नहीं कि पक्षकारों की प्रतीक्षा अनंत हो जाए। सबसे गंभीर पहलू उन मामलों का है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हैं। जमानत, अग्रिम जमानत, सजा पर रोक या जेल में बंद विचाराधीन कैदियों से जुड़े मामलों में देरी का अर्थ सीधे-सीधे व्यक्ति की स्वतंत्रता पर चोट है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। यदि किसी व्यक्ति की जमानत याचिका पर बहस पूरी हो चुकी हो और आदेश महीनों तक सुरक्षित रखा जाए, जाए, तो यह केवल तकनीकी देरी नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का हनन है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी कारण कहा है कि जमानत से जुड़े मामलों में आदेश उसी दिन सुनाया जाना चाहिए और यदि सुरक्षित रखा जाए तो अगले दिन अवश्य जारी किया जाए। जमानत आदेशों को जेल प्रशासन तक तुरंत पहुंचाने का निर्देश भी बेहद महत्वपूर्ण है। कई बार अदालत से राहत मिलने के बाद भी कागजी प्रक्रिया में देरी के कारण आरोपी या दोषी जेल में ही रह जाता है। यह स्थिति न्याय की आत्मा के विरुद्ध है। यदि अदालत ने रिहाई का आदेश दिया है, तो जेल प्रशासन तक सूचना तुरंत पहुंचनी चाहिए और संबंधित व्यक्ति को उसी दिन या अधिकतम अगले दिन रिहा किया जाना चाहिए, बशर्ते वह किसी अन्य मामले में वांछित न हो या जमानत की शर्तें पूरी करता हो। यह व्यवस्था न्याय को कागज से जमीन तक पहुंचाने की दिशा में जरूरी सुधार है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल फैसला सुनाने की समय सीमा तय नहीं की, बल्कि विस्तृत आदेश अपलोड करने को भी अनिवार्य किया है। अदालत ने कहा है कि ऑपरेटिव पार्ट यानी मुख्य आदेश सुनाने के 15 दिनों के भीतर पूरा फैसला, कारणों सहित, वेबसाइट पर अपलोड होना चाहिए। यदि 15 दिन में विस्तृत फैसला अपलोड नहीं होता, तो पक्षकार आवेदन दे सकते हैं। यदि 30 दिन तक भी आदेश अपलोड न हो, तो पक्षकार मामले को वापस लेने या दूसरी बेंच में सुनवाई के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे न्यायिक आदेशों में पारदर्शिता बढ़ेगी और पक्षकारों को यह समझने का अवसर मिलेगा कि अदालत ने किस आधार पर फैसला दिया।

प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

ललित गर्ग

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है।

सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं, जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने वीकेंड पर यातायात व्यवस्था को लेकर बैठक की

पथ प्रवाह, टिहरी गढ़वाल। जनपद टिहरी गढ़वाल की जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल, एसएसपी श्वेता चौबे एवं आईएएस प्रशिक्षु ज्योति ने यातायात व्यवस्था को लेकर बैठक की। जिलाधिकारी टिहरी ने बताया कि मुनिकीरेती क्षेत्र में वीकेंड के दौरान भारी संख्या में पर्यटकों के आगमन के कारण वनवे व्यवस्था लागू कर यातायात को सुचारू रूप से संचालित किया जाता है। एसएसपी द्वारा बताया गया कि ढालवाला, तपोवन से शिवपुरी तक अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही वीकेंड्स पर राफ्टिंग गतिविधियों के चलते यातायात की गति धीमी रहती है, फिर भी ट्रैफिक मूवमेंट सामान्य एवं व्यवस्थित बना रहता है। उन्होंने बताया कि रात्रि के समय पर्वतीय मार्गों पर यात्रा न करने हेतु लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है तथा नियमित रूप से चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है।

एक नजर

दून पुलिस ने करोड़ों की जमीन हड़पने की साजिश का किया खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। दून पुलिस की सख्त कार्रवाई के चलते भू-माफियाओं के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने के षड्यंत्र में शामिल मुख्य अभियुक्ता को सहारनपुर से गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटेलनगर निवासी वादी राहुल देव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके ममेरे दादा स्वर्गीय केवल कृष्ण द्वारा वर्ष 2009 में वसीयत के माध्यम से संपत्ति उनके नाम की गई थी। वर्ष 2024 में संपत्ति दर्ज कराने के बाद 2026 में जांच के दौरान सामने आया कि बबीता देवी द्वारा फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर उक्त भूमि पर स्टे लेने का प्रयास किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि अभियुक्ता ने मृतक के नाम पर फर्जी दस्तावेज और आधार कार्ड तैयार कर धोखाधड़ी की साजिश रची। इस मामले में अन्य सहयोगियों की भूमिका भी सामने आई है। मामले में 17 अप्रैल 2026 को थाना पटेलनगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 जून 2026 को मुख्य अभियुक्ता बबीता देवी (52 वर्ष), निवासी सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। देहरादून पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भू-माफियाओं के खिलाफ अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

एसएसपी के निर्देश पर प्रमुख चौराहों का संयुक्त सर्वेक्षण, जाम के कारणों पर प्रहार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। चारधाम यात्रा एवं बढ़ते यातायात के दृष्टिगत जनपद हरिद्वार में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम एवं जाम मुक्त बनाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर पुलिस, लोक निर्माण विभाग (PWD), संभागीय परिवहन विभाग एवं NHAI की संयुक्त टीम द्वारा जनपद के प्रमुख चौराहों एवं यातायात प्रभावित स्थलों का विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान यातायात दबाव, सड़क संरचना, पार्किंग व्यवस्था एवं अन्य भौतिक चुनौतियों का गहन अध्ययन किया गया। सर्वेक्षण में पाया गया कि प्रातः 09:00 बजे से 11:00 बजे तथा सायं 05:00 बजे से 08:00 बजे के मध्य स्कूल, कार्यालय एवं यात्रा सीजन के कारण वाहनों का दबाव अधिक रहता है। निरीक्षण के दौरान फुटपाथ एवं सर्विस लेन पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, लेफ्ट टर्न की बाधाएं, चौराहों पर कम टर्निंग रेडियस, सड़क ढाल (स्लोप) संबंधी समस्याएं, सिग्नल टाइमिंग में आवश्यक संशोधन, घिस चुकी ज़ेबरा क्रॉसिंग, स्टॉप लाइन एवं लेन मार्किंग जैसे बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। संयुक्त टीम द्वारा ऐसे प्रमुख चौराहों को चिन्हित किया गया जहां लेफ्ट टर्न को फ्री करना, रोड चौड़ीकरण, ड्रॉप लेन निर्माण, डिवाइडर सुधार एवं यातायात संकेतकों के उन्नयन से लगभग 30 प्रतिशत तक जाम की स्थिति में कमी लाई जा सकती है। हरिद्वार पुलिस द्वारा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों की कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे चारधाम यात्रा एवं स्थानीय यातायात दोनों को अधिक सुगम बनाया जा सके। हरिद्वार पुलिस सभी वाहन चालकों एवं नागरिकों से अपील करती है कि लेन अनुशासन का पालन करें, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन कर जाम मुक्त एवं सुरक्षित हरिद्वार के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें। संयुक्त निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक यातायात बिपेंद्र सिंह, निरीक्षक सीपीयू हितेश कुमार, संभागीय परिवहन विभाग से वरुणा खंडेलवाल, लोक निर्माण विभाग से दीपक, NHAI से प्रेम बल्लभ एवं अतुल शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की शिष्टाचार भेंट

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान उनके मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों, सुशासन, जनकल्याण तथा राज्यों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने, जनप्रतिनिधियों की भूमिका तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड में संचालित विकास परियोजनाओं, निवेश, पर्यटन, चारधाम यात्रा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि राज्यों के मध्य अनुभवों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान विकास को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विकास एवं जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग और समन्वय को और मजबूत बनाने पर बल दिया।

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बनेगा हरिद्वार कुंभ मेला-स्वामी बालकानंद गिरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आनन्द पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज ने निरंजनी अखाड़े पहुंचकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज से भेंट की।

भेंट के दौरान अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज एवं आनन्द पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज ने सनातन धर्म और हरिद्वार कुंभ मेले को लेकर चर्चा करते हुए युवा पीढ़ी से पाश्चात्य संस्कृति को छोड़कर सनानत संस्कृति का अनुसरण करने का आह्वान किया। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि सदैव वसुधैव कुटुंकम का संदेश देने वाली सनातन संस्कृति विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है और कुंभ मेला सनातन की धरोहर है। सभी तेरह अखाड़े और समस्त संत समाज मिलकर अगले वर्ष हरिद्वार में होने वाले कुंभ मेले को भव्य और दिव्य स्वरूप में संपन्न कराएगा। उन्होंने युवा पीढ़ी का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय युवा पाश्चात्य संस्कृति का मोह त्यागकर सनातन संस्कृति को अपनाएं और सनातन को आगे बढ़ाने में

योगदान करें। आह्वान पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज ने कहा कि अखाड़ा परिषद संतों की सर्वोच्च संस्था है और अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी संत परंपराओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज महाकुंभ अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के नेतृत्व में दिव्य और भव्य स्वरूप में संपन्न हुआ है। उसी प्रकार विश्व की आध्यात्मिक राजधानी हरिद्वार के गंगा तट पर अगले साल होने वाला कुंभ मेला भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भव्य प्रतीक बनेगा। कुंभ मेले के दौरान गंगा तट पर संतों की दिव्य वाणी से प्रसारित होने वाले आध्यात्मिक संदेश पूरे विश्व को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस अवसर पर निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी, भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, महंत राज गिरी, स्वामी कुलदीप गिरी, स्वामी नत्थीनंद गिरी, आचार्य मनीष जोशी, विनीत कुमार लोहिया आदि मौजूद रहे।

पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आकर श्रद्धालु घायल

पथ प्रवाह, चमोली। श्री हेमकुण्ड साहिब यात्रा के दौरान एक बार फिर चमोली पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता देखने को मिली। मंगलवार को निशान सिंह पुत्र जसवंत सिंह निवासी थाना पुवायां, शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश), उम्र 26 वर्ष, श्री हेमकुण्ड साहिब की पवित्र यात्रा पर आए हुए थे। यात्रा के दौरान पुलना से लगभग 04 किलोमीटर आगे पैदल मार्ग पर अचानक पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण निशान सिंह के सिर पर गंभीर चोट लग गई। घटना की सूचना मिलते ही गोविन्दघाट पुलिस ने बिना समय गंवाए तत्काल गुरुद्वारा गोविन्दघाट से एम्बुलेंस की व्यवस्था कर घायल श्रद्धालु को प्राथमिक उपचार हेतु गुरुद्वारा डिस्पेंसरी पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया। श्रद्धालु की स्थिति को देखते हुए पुलिस कर्मियों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल एम्बुलेंस के

माध्यम से उन्हें ज्योतिर्मठ के लिए रवाना कराया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहायता के लिए यात्रा मार्ग पर चमोली पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ डटी हुई है। यात्रा मार्ग पर किसी भी आपात स्थिति में पुलिस द्वारा त्वरित राहत एवं सहायता प्रदान कर श्रद्धालुओं की यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा रहा है।

ब्रेन स्ट्रोक से जूझ रहे श्रद्धालु के लिए संजीवनी बनी गोविन्दघाट पुलिस

पथ प्रवाह, चमोली। श्री हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान एक बार फिर चमोली पुलिस ने अपनी तत्परता, संवेदनशीलता और मानवता का परिचय देते हुए गंभीर रूप से बीमार हुए श्रद्धालु को समय रहते चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।

श्री हेमकुंड साहिब यात्रा से वापस लौट रहें श्रद्धालु जर्नैल सिंह पुत्र गुरुदेव सिंह आयु 56 वर्ष निवासी मुंबई की पुलना गांव के समीप अचानक तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही देर में श्रद्धालु की स्थिति गंभीर हो गयी। ऐसे कठिन समय में श्रद्धालु के बेटे ने पुलिस से सहायता माँगी। सूचना मिलते ही अपर उपनिरीक्षक चंद्र प्रकाश एवं मुख्य आरक्षी सुमित चौधरी बिना देरी के मौके पर पहुंचे और गंभीर अवस्था में श्रद्धालु को तत्काल गोविंदघाट स्थित अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि श्रद्धालु को ब्रेन स्ट्रोक हुआ है तथा उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर है। बेहतर उपचार के लिए उन्हें तत्काल ज्योतिर्मठ रेफर किया गया। श्रद्धालु की नाजुक स्थिति को देखते हुए। पुलिस कर्मियों ने मानवता का परिचय देते हुए न केवल तत्काल उनके लिए ज्योतिर्मठ तक वाहन की व्यवस्था की, बल्कि श्रद्धालु को उनके परिजनों सहित सुरक्षित रूप से ज्योतिर्मठ के लिए रवाना भी किया। श्रद्धालु के परिजनों ने विषम परिस्थितियों में मिली इस त्वरित सहायता के लिए पुलिस कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में पुलिस का यह सहयोग उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा।

‘नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026’ बना सीमांत क्षेत्रों के उत्थान का प्रतीक

पथ प्रवाह, चमोली

उत्तराखंड के चमोली जनपद स्थित सीमांत एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नीति घाटी में आयोजित ‘नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026’ ने साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। 31 मई से 02 जून तक चले इस भव्य आयोजन ने न केवल प्रतिभागियों के साहस, धैर्य और मानसिक दृढ़ता की परीक्षा ली, बल्कि सीमांत क्षेत्रों में विकास, पर्यटन और नागरिक-सैन्य समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में आयोजित इस अल्ट्रा रन में देशभर से आए सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। हिमालय की दुर्गम वादियों, ऊँचाई वाले क्षेत्रों में कम ऑक्सीजन, पथरीले रास्तों और बदलते मौसम के बीच प्रतिभागियों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। प्रतियोगिता को 75 किमी अल्ट्रा रन, 42 किमी मैराथन, 21 किमी हाफ

मैराथन, 10 किमी, 5 किमी रन तथा एमटीबी चैलेंज जैसी विभिन्न श्रेणियों में आयोजित किया गया।

इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय सेना और नागरिक प्रशासन के बीच शानदार समन्वय रहा। सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय सेना ने टेंट, भोजन, चिकित्सा, सुरक्षा, संचार और आपातकालीन सेवाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की। सेना के अनुशासन और प्रशासन की योजनाबद्ध कार्यशैली ने आयोजन को सुरक्षित और सफल बनाया।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी आयोजन पूरी तरह संवेदनशील रहा। पूरे रूट पर मेडिकल पोस्ट स्थापित किए गए थे, जहां डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन सिलेंडर, एम्बुलेंस और प्राथमिक उपचार की सुविधाएं उपलब्ध रहीं। प्रतिभागियों की लगातार स्वास्थ्य निगरानी की गई, जिससे किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

इस आयोजन का स्थानीय समुदाय पर भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। बड़ी संख्या में पहुंचे प्रतिभागियों और पर्यटकों के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला। होमस्टे, परिवहन, खानपान और गाइड सेवाओं से जुड़े लोगों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। स्थानीय युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सामुदायिक उत्सव का स्वरूप दिया।

नीति घाटी, जो अब तक केवल सामरिक पहचान के लिए जानी जाती थी, इस आयोजन के बाद साहसिक पर्यटन के एक उभरते केंद्र के रूप में सामने आई है। यह आयोजन केंद्र सरकार की ‘वाइब्रेंट बॉर्डर विलेज’ पहल के अनुरूप सीमांत क्षेत्रों में विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

‘नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026’ ने यह साबित कर दिया है कि यदि मजबूत योजना, समन्वय और इच्छाशक्ति हो, तो देश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में भी विश्वस्तरीय आयोजन सफलतापूर्वक किए जा सकते हैं। भविष्य में इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विस्तारित करने की व्यापक संभावनाएं हैं।

एक नजर

बच्चों की सुरक्षा में अलर्ट अल्मोड़ा पुलिस पढ़ा रही जागरूकता का पाठ

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से महिला कोतवाली पुलिस ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान बच्चों को यातायात, साइबर और व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत महिला कोतवाली प्रभारी जानकी भंडारी के नेतृत्व में अपर उपनिरीक्षक बीना दोसाद और महिला कांस्टेबल तुलसी गोस्वामी ने विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए। महिला पुलिस कर्मियों ने बच्चों के साथ आत्मीय और मित्रवत वातावरण में बातचीत कर उनकी समस्याओं, जिज्ञासाओं और सुझावों को सुना। उन्होंने बच्चों को बताया कि पुलिस उनकी मित्र है और किसी भी समस्या, डर या असुरक्षा की स्थिति में वे बेहिचक पुलिस से सहायता ले सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी देते हुए सड़क पार करते समय सावधानी बरतने, सड़क पर खेलकूद न करने, वाहन में सुरक्षित तरीके से बैठने तथा दोपहिया वाहन पर हेलमेट के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही यातायात संकेतों और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। महिला पुलिस कर्मियों ने बच्चों को महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, डायल-112, साइबर हेल्पलाइन 1930 और अन्य पुलिस सहायता सेवाओं की जानकारी भी दी। इसके अलावा नशे के दुष्प्रभाव, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

पनुवानौला में फर्स्ट्‌ रिस्पांडर प्रशिक्षण, टैक्सी चालकों को सड़क सुरक्षा की दी जानकारी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत पनुवानौला में फर्स्ट्‌ रिस्पांडर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ, आपदा प्रबंधन विभाग तथा टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों और वाहन चालकों ने भाग लिया। संभागीय परिवहन अधिकारी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान त्वरित सहायता और प्राथमिक उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा दुर्घटना की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद के लिए आवश्यक कदमों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग से परिवहन अधिकारी अखिलेश चौहान, थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत, चौकी प्रभारी जागेश्वर कमित जोशी, एसडीआरएफ से राजेश जोशी और पंकज डगवाल, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. कमलेश उपाध्याय, आपदा प्रबंधन विभाग के मास्टर ट्रेनर आलोक वर्मा तथा टैक्सी यूनियन से हेमंत शाह और प्रमोद कुमार जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान टैक्सी चालकों और अन्य प्रतिभागियों को फर्स्ट्‌ रिस्पांडर की भूमिका, सड़क दुर्घटनाओं में प्राथमिक सहायता तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रतिभागियों को फर्स्ट्‌ एड किट, जूट बैग, टॉर्च, पंपलेट, पोस्टर, डायरी, पेन, रोड सेफ्टी टी-शर्ट, बैग, रिफ्लेक्टर जैकेट और रिफ्लेक्टर टेप भी वितरित किए गए। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक बताया।

उत्तराखंड का राष्ट्रीय ग्रेपलिंग में परचम, अनुज, दीपाली ने जीता स्वर्ण, नवीन को मिला सम्मान

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड/19वीं राष्ट्रीय सीनियर ग्रेपलिंग चैंपियनशिप का आयोजन 29 से 31 मई तक असम के गुवाहाटी स्थित भूगेश्वरी फुकानानी इंडोर स्टेडियम में भव्य रूप से संपन्न हुआ। देशभर से आए खिलाड़ियों, कोचों एवं तकनीकी अधिकारियों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लिया। उत्तराखंड ग्रेपलिंग संघ की ओर से प्रतिभाग करते हुए सार्थक सेमवाल और गंगा मेहरा ने सफलतापूर्वक रेफरी कोर्स पूर्ण किया, जबकि अनुज गौड़ ने कोच कोर्स को सफलतापूर्वक संपन्न कर अपनी तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। इसके साथ ही अनुज गौड़ ने वेटरन्स वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक , दीपाली गोल्ड मेडल, चांदनी ,प्रीती सिल्वर मेडल, अपने नाम किया और उत्तराखंड का गौरव बढ़ाया। बताते चलें नवीन रयाल को दोनों मैट का डायरेक्टर और रेफरी काउंसिल का सचिव बनाया गया था जिससे प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता उपरांत नवीन रयाल को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में उत्तराखंड के खिलाड़ियों और अधिकारियों की उपलब्धियों पर खेल जगत में हर्ष का माहौल है। यह सफलता राज्य में ग्रेपलिंग खेल के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की मेहनत का

प्रमाण मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड ग्रेपलिंग संघ के महासचिव नवीन रयाल के नेतृत्व में राज्य में ग्रेपलिंग खेल का निरंतर विस्तार हो रहा है। उनके मार्गदर्शन में न केवल खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर मिल रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड के खिलाड़ी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। संघ के अध्यक्ष अखिलेश मित्तल, कोषाध्यक्ष सागर गर्ग जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक रावत, जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी, समाज सेवी धीरेंद्र रयाल, डॉ राजेंद्र नेगी ने सभी प्रतिभागियों और पदक विजेताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की है।

रोमांच, रफ्तार और सीमांत संस्कृति का संगम बना ‘नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन’

पथ प्रवाह, चमोली

सीमांत जनपद चमोली की सुरम्य एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नीति घाटी में 31 मई से 2 जून तक आयोजित ‘नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन’ के अंतिम दिन गमसाली से मलारी के मध्य 30 किलोमीटर एमटीबी (माउंटेन बाइकिंग) चैलेंज प्रतियोगिता का रोमांचक आयोजन किया गया।

दुर्गम पहाड़ी रास्तों, चुनौतीपूर्ण ट्रैक और मनमोहक प्राकृतिक वादियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। 30 किलोमीटर पुरुष एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में खरिकसिंग अडॉनिस तांगपू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सूरज राणा मगर दूसरे एवं प्रकाश थापा मगर तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग की 30 किलोमीटर एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में अवनी डरियाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। संध्या मौर्या दूसरे तथा इंद्रा कुमारी तमांग तीसरे स्थान पर रहीं। 15 किलोमीटर पुरुष एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता में प्रज्जवल चौहान प्रथम, इशांत सिंह

अधिकारी द्वितीय तथा अश्विन रौथान तृतीय स्थान पर रहे। वहीं महिला वर्ग में प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय सेना एवं आईटीबीपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में देश के 27 राज्यों से आए कुल 1200 से अधिक प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया। तीन दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाना तथा युवाओं में फिटनेस एवं साहसिक खेलों के प्रति जागरूक करना है। पूरे आयोजन के दौरान नीति घाटी खेल, साहस, संस्कृति और पर्यटन गतिविधियों का जीवंत केंद्र बनी रही। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, भारतीय सेना, आईटीबीपी, चिकित्सा विभाग, पर्यटन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने शैलजा ने रैली स्थल की सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के चार जून को प्रस्तावित अल्मोड़ा दौरे को लेकर कांग्रेस संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सिमकनी मैदान में होने वाली जनसभा के लिए मंच निर्माण, बैरिकेडिंग, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंगलवार को सभा स्थल पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व विधायक रणजीत रावत, विधायक हरीश धामी, विधायक मनोज तिवारी, जिला अध्यक्ष भूपेंद्र भोज, विधायक मदन बिष्ट, विधायक भुवन चंद्र कापड़ी, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, नगर अध्यक्ष

ताराचंद जोशी, डीके जोशी दीवान धपोला समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लिया। कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा और भीड़ प्रबंधन को लेकर रणनीति बनाई।

भाजपा जिला कार्यशाला में सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

पथ प्रवाह, हरिद्वार

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय जगजीतपुर, हरिद्वार में '12 साल विश्वास, विकास और जनकल्याण' विषय पर एक महत्वपूर्ण जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती नेहा जोशी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट एवं संजीव चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्रीमती नेहा जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और पारदर्शिता के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को भ्रष्टाचार मुक्त सरकार मिली है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में प्रतिदिन भ्रष्टाचार के मामले सामने आते थे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है, जो सुशासन का स्पष्ट प्रमाण है। श्रीमती जोशी ने नारी सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। तीन तलाक पर प्रतिबंध और संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण विधेयक पारित करना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश की सेनाओं को भी सशक्त किया है और आज भारत किसी भी बाहरी चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। उन्होंने हालिया सैन्य कार्रवाई का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की सुरक्षा नीति अब अधिक सशक्त और निर्णायक हो चुकी है।

जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से चुनाव का रोडमैप तैयार किया जाएगा और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय कर सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन के उत्तराखंड दौरे से कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है और सभी कार्यकर्ता पूर्ण ऊर्जा के साथ संगठनात्मक कार्यक्रमों में जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान आगामी गतिविधियों के लिए विभिन्न संयोजकों की नियुक्ति भी की गई। जिसमें 5 से 8 जून तक विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम हेतु रिशु चौहान, 12 जून के मीडिया संवाद के लिए धर्मेंद्र चौधरी, 14 से 18 जून तक विशेष जनसंपर्क अभियान हेतु अमरीश सैनी, योग दिवस के लिए आशु चौधरी, जिला स्तरीय प्रदर्शनी के लिए नकली राम सैनी, विकसित भारत संकल्प संपर्क सम्मेलन के लिए लव शर्मा तथा जनकल्याण शिविर के लिए अरविंद कुशवाहा एवं धर्मेंद्र चौधरी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अवसर पर जिला सह प्रभारी दीपक धमीजा, दर्जाधारी राज्य मंत्री डॉ. जयपाल सिंह चौहान, ओमप्रकाश जमदग्नि, कार्यक्रम संयोजक निपेंद्र चौधरी, विनीत जोली, प्रेम शंकर पिंकी, सूर्यकांत सैनी, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, आशु चौधरी, सीमा चौहान, तरुण नय्यर, रितु ठाकुर, रिशु चौहान, अमरीश सैनी, धर्मेंद्र चौधरी, मनोज शर्मा, नकली राम सैनी, लक्ष्मण सिंह नागर, उमेश पाठक, संजीव कुमार, प्रीति गुप्ता, अभिनव चौहान सहित अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

6 और 7 जून को होगा माँ मानिला महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। सल्ट क्षेत्र स्थित तल्ला मानिला मंदिर में 6 और 7 जून को दो दिवसीय माँ मानिला महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। मानव सेतु फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस महोत्सव को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेश बोरा ने प्रवासी और स्थानीय उत्तराखंडवासियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 6 जून को राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली-एनसीआर से आने वाली धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां तथा विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। महोत्सव में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए मेधावी छात्र सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पलायन और स्वरोजगार विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार से संबंधित कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को जागरूक और प्रेरित किया जाएगा। महोत्सव में जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों को भी शामिल किया गया है। दोनों दिनों तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे, जिनमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था भी की गई है। नरेश बोरा ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार जैसे सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

पूर्व सीएम और राज्यमंत्री ने किया सप्तऋषि दुर्घटना स्थल का निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक व राज्य मंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि ने सोमवार को सप्तऋषि क्षेत्र में डंपर द्वारा बस को टक्कर मारने से हुई दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर क्षति का जायजा लिया तथा अधिकारियों से घटना की जानकारी प्राप्त कर राहत एवं यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सोमवार को हुई दुर्घटना में एक महिला की मृत्यु हो गयी थी। जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे। पूर्व सीएम डॉ. निशंक व राज्यमंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि ने पंजाबी ढाबे का भी निरीक्षण किया। बस को टक्कर मारने के बाद डंपर पंजाबी ढाबे में जा घुसा था। राज्यमंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि ने अधिकारियों को आमजन की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान सीओ सिटी, ट्रैफिक पुलिस, सप्तऋषि चैकी प्रभारी, परिवहन विभाग, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य आरोपी की रिमांड के बाद भी नहीं मिला मृत बाघों के पंजों का सुराग

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार वन प्रभाग की श्यामपुर रेंज में दो बाघों के शिकार के सनसनीखेज मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी आमिर हमजा उर्फ मियां से पूछताछ के लिए वन विभाग को कोर्ट से तीन दिन की रिमांड मिली थी। हालांकि रिमांड अवधि के दौरान वन विभाग को बाघों के पंजों सहित कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद करने में सफलता नहीं मिल सकी है। इसके बावजूद विभाग का दावा है कि जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। वन विभाग की टीम ने इससे पहले आरोपियों की निशानदेही पर बाघों के शिकार में इस्तेमाल किए गए हथियार बरामद कर लिए थे। जांच अधिकारियों का मानना है कि बरामद हथियारों और अन्य साक्ष्यों से यह स्पष्ट हो चुका है कि आरोपियों का संबंध घटना से है। अब विभाग का मुख्य फोकस बाघों के पंजे और पेंडिंग रिपोर्ट पर है। मुख्य आरोपी आमिर हमजा को रिमांड पर लेकर वन विभाग की टीम ने कई संभावित स्थानों पर छानबीन की। आरोपी से लगातार पूछताछ की गई और उसकी निशानदेही पर विभिन्न क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया गया। इसके बावजूद अभी तक बाघों के पंजों और कुछ अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों का पता नहीं चल पाया है। वन विभाग की टीम श्यामपुर रेंज और आसपास के जंगलों में लगातार सर्च अभियान चला रही है। अधिकारियों के अनुसार जिन क्षेत्रों में आरोपियों की गतिविधियां सामने आई हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। टीम आधुनिक तकनीकों और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर संभावित ठिकानों की तलाश कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने डॉग स्क्वाड की मदद भी ली है। इसके अलावा तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के संपर्कों और गतिविधियों की गहन पड़ताल की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। वन विभाग इस मामले को केवल एक अलग घटना के रूप में नहीं देख रहा है। जांच टीम क्षेत्र में पूर्व में हुई वन्यजीव तस्करी और शिकार की घटनाओं के रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों का संबंध किसी बड़े वन्यजीव तस्करी गिरोह से हो सकता है। डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया कि रिमांड के दौरान कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम पूरी गंभीरता के साथ मामले की जांच कर रही है और जल्द ही बाघों के पंजों सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद होने की उम्मीद है।

भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हो गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष मानसिंह यादव एवं उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार चौधरी के नेतृत्व में किसानों की मांगों से संबंधित 21 सूत्रीय ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित किया गया।

रोड़ीबेलवाला में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन में सैंकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गंगा किनारे विशाल किसान भवन बनाए जाने की मांग की गयी। कृषि उत्पादन मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय चोपड़ा भी साथियों सहित सम्मेलन में शामिल हुए और बीकेएसजेयू की मांगों का समर्थन किया। भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मानसिंह यादव ने कहा कि जून के महीने में तमाम किसान संगठन रोड़ी बेलवाला मैदान में सम्मेलन आयोजित करते हैं। जिसमें महिला किसान भी शामिल होती है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए विशाल किसान भवन का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की मांग पर विचार नहीं किया तो आंदोलन चलाया जाएगा। उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने कहा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के किसानों की फसलें नष्ट हो गयी है। लेकिन अभी तक किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर उत्तराखंड के किसानों को गन्ना भुगतान के साथ नष्ट हुई फसल का मुआवजा देकर उनके नुकसान की भरपाई की जाए। कृषि उत्पादन मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ किसान नेता संजय चोपड़ा ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय किसान उद्यान प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाए। सम्मेलन का संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जाहिद खान ने किया। राम सिंह, चंद्रप्रकाश चंदन, रामसेवक रावत, राकेश यादव, सुरेश यादव, रामलखन यादव, संजय कुमार, मीरा देवी, कामिनी, इंदिरा देवी, सीमा देवी, मीरा यादव, मंजू बसंती आदि सहित सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल रहे।

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

पथ प्रवाह, हरिद्वार

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर परामर्शदात्री समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में मेला नियंत्रण भवन के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में हरिद्वार, ऋषिकेश एवं आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक एवं नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों ने आगामी कुंभ मेले के भव्य, दिव्य, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए शासन-प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा मेले की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक को संबोधित करते हुए मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने कहा कि कुंभ मेला विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं। ऐसे विशाल आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी विभागों, स्थानीय निकायों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के समन्वित सहयोग की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन द्वारा कुंभ मेला 2027 को ऐतिहासिक, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि परामर्शदात्री समिति एवं स्थानीय हितधारकों से प्राप्त सुझाव प्रशासन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि स्थानीय लोगों को क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक एवं व्यावहारिक परिस्थितियों का व्यापक अनुभव होता है। इन सुझावों के आधार पर विभिन्न व्यवस्थाओं का आकलन करते हुए आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि उपयोगी सुझावों को योजनाओं में सम्मिलित कर मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

मेलाधिकारी ने बताया कि संपूर्ण कुंभ क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं के विकास एवं विस्तार के लिए युद्धस्तर पर कार्य चल रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, घाटों के विकास, पैदल मार्गों के निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता प्रबंधन तथा पार्किंग स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं स्थलों पर संकेतक बोर्ड, सूचना केंद्र तथा डिजिटल सूचना प्रणालियों को भी विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि कुंभ मेले के दौरान भीड़ प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होता है। इस संबंध में आधुनिक तकनीक, डिजिटल मॉनिटरिंग, सीसीटीवी नेटवर्क तथा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से प्रभावी व्यवस्था विकसित की जा रही है। साथ ही स्थानीय नागरिकों, व्यापारिक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के सुझावों के आधार पर यातायात एवं भीड़ नियंत्रण की व्यवहारिक रणनीति तैयार की जाएगी। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए भी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त जनसुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए अस्थायी आवास, शौचालय, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सहायता केंद्र, विश्राम स्थल, सुरक्षा व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुविधाजनक और सकारात्मक अनुभव प्रदान करने के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर कुंभ क्षेत्र के निर्माण के लिए विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। घाटों, मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाने एवं अवैध निर्माणों पर नियंत्रण के लिए भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही निर्बाध बनी रहे और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बैठक के दौरान मेलाधिकारी ने 'हरित हरिद्वार' अभियान की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला 2027 को पर्यावरण के अनुकूल और हरित स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से मेला प्रशासन, जिला प्रशासन एवं हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सहयोग से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं, आश्रमों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक संगठनों तथा सामाजिक समूहों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आगामी 5 जून को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर हजारों पौधे रोपे जाएंगे तथा हरिद्वार को अधिक हरित एवं पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी होगी।

बैठक में उपस्थित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, घाटों की सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था, स्थानीय लोगों की सहभागिता तथा श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मेला प्रशासन ने इन सुझावों पर सकारात्मक विचार कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। बैठक में नगर निगम हरिद्वार की मेयर श्रीमती किरण जैसल, नगर निगम ऋषिकेश के मेयर शंभू पासवान, नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती की अध्यक्ष श्रीमती नीलम बिजल्वाण, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कुंभ) आयुष अग्रवाल, नगर आयुक्त नंदन कुमार, एसपी सिटी अभय सिंह, मेला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार वर्मा, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, उप निदेशक सूचना मनोज श्रीवास्तव, भारत माता मंदिर के स्वामी ललितानंद, भारत साधु समाज के स्वामी शिवानंद, मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के महेश कुमार दुबे, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र चौधरी, व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, धर्मशाला समिति के अध्यक्ष महेश गौड़, उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल गर्ग, प्रदीप कालरा, राजीव नैयर सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

एक नजर

पर्यावरण मित्र संस्था ने नहर पटरी पर हरे पेड़ काटे जाने पर जताया रोष

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पर्यावरण मित्र संस्था ने घाट निर्माण के नाम पर नहर पटरी पर हरे पेड़ काटे जाने पर ऐतराज करते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की है। संस्था के अध्यक्ष डॉ संदीप कपूर ने कहा कि गंगनहर पटरी पर सुबह शाम शहर के लोग टहलने जाते हैं। लेकिन घाटों के निर्माण के नाम पर नहर पटरी पर सैकड़ों पेड़ों को काट दिया गया है। जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। डा. संदीप कपूर ने कहा कि एक ओर उत्तराखंड सरकार पर्यावरण के संरक्षण के नाम पर सेस वसूल रही है तो दूसरी ओर गंगा के किनारे वृक्षों को काटकर पर्यावरण का नुकसान किया जा रहा है। डा. कपूर ने कहा कि यह विकास नहीं विनाश है। संस्था के महामंत्री संजय पवार ने कहा कि यदि इसी तरह से पेड़ों को काटा जाता रहा तो शीघ्र ही हरिद्वार का हाल भी एनसीआर जैसा हो जाएगा। संस्था के सदस्यों नीलू खन्ना, अभिषेक गुप्ता, संजय खुराना, वीरेंद्र शर्मा, संजय भारद्वाज, राजीव बाटला, नवीन अग्रवाल, नवीन कुमार, रवि गुप्ता एडवोकेट, तरुण बंसल आदि ने भी सरकार से पेड़ों के कटान पर तुरंत रोक लगाने और ऐसी व्यवस्था बनाने की मांग की कि पेड़ काटे बिना ही घाटों का निर्माण हो सके।

समाजसेवी भगवान सिंह रावत 'ठेकेदार जी' पंचतत्व में विलीन

पथ प्रवाह, नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी योद्धा, जन सरोकारों के सजग प्रहरी, वरिष्ठ समाजसेवी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता रहे ग्राम चापड़ा, पट्टी नग्गून, विकासखंड थौलधार निवासी भगवान सिंह रावत 'ठेकेदार जी' (86 वर्ष) का 01 जून 2026 को उनके पैतृक आवास पर आकस्मिक निधन के बात आज उन्हें हजारों की संख्या में लोगों ने नमः आंखों से विदाई दी। स्वर्गीय भगवान सिंह रावत जी स्वतंत्रता संग्राम की विचारधारा से प्रेरित व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, जनहित के कार्यों तथा उत्तराखंड राज्य आंदोलन को समर्पित किया। वे अपने स्पष्टवादिता, सरल स्वभाव एवं जनसेवा के लिए क्षेत्रभर में सम्मानित थे। उनके निधन से क्षेत्र एवं समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनका अंतिम संस्कार 02 जून 2026 को प्रातः 11 बजे धरासू स्थित भागीरथी तट पर पूरे राजनैतिक, सामाजिक एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

उनके ज्येष्ठ पुत्र ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनै, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस राकेश राणा, प्रदेश कांग्रेस सचिव सैयद मुशर्रफ अली, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आनंद सिंह बेलवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता पराग जैन पूर्व शासकीय अधिवक्ता अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह रावत बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष सोहन सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य सुनील जुयाल, विनोद कुमार, सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी बेनी माधव, वरिष्ठ अधिवक्ता सोहन सिंह बिष्ट, गोपाल सिंह चौहान, दिनेश मियां, जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) स्वराज पवार,, सहायक शासकीय अधिवक्ता (सिविल) अजय रावत, सहायक शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) नरेन्द्र सिंह नेगी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्रीपाल सिंह चौहान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जौनपुर, प्रदेश आईटी सचिव लब्बू नौटियाल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, जनप्रतिनिधि, कांग्रेसजन एवं क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

सुराज सेवा दल ने किया एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सुराज सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी के संयोजन में दल के कार्यकर्ताओं ने रोशनाबाद स्थित एसएसपी कार्यालय पर विभिन्न मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी ने कहा कि जनहित एवं कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर आवाज उठाई गयी है। जनता के अधिकारों, न्याय एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए सुराज सेवा दल संघर्ष कर रहा है।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों से अपील करते कहा कि समान रूप से न्याय पाने का अधिकार सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता का विश्वास कानून व्यवस्था पर बना रहे। पीड़ित के साथ किसी प्रकार का भेदभाव ना हो। पुलिस न्याय व्यवस्था की पहली सीढ़ी है। पुलिस से न्याय मांगना पीड़ित का अधिकार है। इसलिए निष्पक्षता से जांच कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। क्रास रिपोर्ट का चलन बंद होना चाहिए। रमेश जोशी ने कहा कि पथरी थाने के प्रकरण में बिना भेदभाव के निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। झूठे मुकदमे में किसी को भी नहीं फंसाया जाए। एसपी देहात शेखर सुयाल ने सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं को निष्पक्ष कार्रवाई आश्वासन देते हुए कहा कि दोनों पक्षों की रिपोर्ट तथ्यों के आधार पर दर्ज की गयी है। विवेचना में निर्दोषों के नाम हटा दिए जाएंगे। जो दोषी पाएं जाएंगे। उनके खिलाफ कार्रवाई की सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर अजय मौर्या, देवेंद्र बिष्ट, सुमित अग्रवाल, विजेंद्र, नवीन, इंतजार, नौशाद, अलीम, सुंदर, अजय, अंकित, गजेंद्र, नितिन कटारिया, नफीस, दिनेश, सतवीर, दीपक राणा, राजा औरंगज़ेब, प्रवीण अग्रवाल, कावेरी जोशी, पूजा बिष्ट, पूजा नेगी, रीमा शर्मा, वसीला, नेहा, संगीता, लक्ष्मी, सुनीता तोमर, शाहिद सहित संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लापता महिला ट्रैकर का नहीं लगा सुराग, सर्च अभियान जारी

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

भटवाड़ी तहसील अंतर्गत दयारा बुग्याल ट्रैक क्षेत्र में लापता हुई महिला की खोज एवं बचाव कार्य जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशन में लगातार जारी है। महिला की तलाश के लिए विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों द्वारा समन्वित रूप से व्यापक सर्च एवं रेस्क्यू अभियान संचालित किया जा रहा है। रेस्क्यू अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, वन विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, आईटीबीपी तथा आपदा प्रबंधन की क्यूआरटी टीम सहित अन्य संबंधित एजेंसियों के कार्मिक सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। दुर्गम एवं चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद संभावित क्षेत्रों में गहन खोजबीन की जा रही है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशानुसार खोज अभियान को और अधिक गति देने के लिए 6 सदस्यीय डीप ड्राइव (विशेष खोज) टीम का गठन किया गया है। उक्त टीम रैथल पहुंच चुकी है तथा कल से क्षेत्र में विशेष सर्च ऑपरेशन प्रारंभ करेगी। टीम द्वारा संभावित झील और पानी वाले स्थलों पर गहन तलाशी अभियान चलाया जाएगा। बतादें 29 मई की रात्रि को दयारा बुग्याल ट्रेक क्षेत्र से एक महिला ट्रेकर के लापता हो गई थी। सूचना मिलने पर व्यापक खोज एवं तलाशी अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में ड्रोन तथा श्वान दस्तों की भी सहायता ली जा रही है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com